

ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...



संगम युग ही है जिसमें भाग्य बना सकते हो। जितना चाहो उतना बना सकते हो क्योंकि भाग्य बनाने वाला बाप का साथ है। **फिर यह बाप साथ नहीं रहेगा, न यह प्राप्ति रहेगी।** प्राप्ति कराने वाला भी अब है और प्राप्ति भी अब होनी है। अब नहीं तो कब नहीं - यह स्लोगन स्मृति में रखो।

Avyakt Murli - 15-3-1972



BRAHMA KUMARIS
Education Wing, Mount Abu



/AvyaktMurliEssence

पुरुषार्थ में अलबेलापन ठीक करने की विधि

बापदादा- 30-11-2011

बापदादा ने देखा कि पुरुषार्थ भी सब बच्चे करते हैं। पुरुषार्थ की लगन भी है, अपने से ही प्रॉमिस भी बहुत करते हैं, अब नहीं करेंगे, अब नहीं करेंगे... लेकिन कारण क्या होता है? कारण है पुरुषार्थ में दृढ़ता कम है। बीच बीच में अलबेलापन आ जाता है। हो जायेंगे, बन जायेंगे... यह अलबेलापन पुरुषार्थ को ढीला कर देता है। तो अब क्या करेंगे? अभी यही विशेष अटेन्शन दो, अपने आप अपना प्रोग्राम बनाओ, जिसमें सारा दिन मन को बिजी रखो। अपना प्रोग्राम आप बनाओ। टाइमटेबुल अपना आप बनाओ, मन को बिजी रखने का। चाहे मनन करो, चाहे सेवा करो, चाहे एक दो को अटेन्शन खिंचवाओ लेकिन बिजी रखो। मन से बिजी, शरीर से बिजी तो होते हो लेकिन मन से बिजी रहो। मन के बिजी रहने में बिजनेसमैन नम्बरवन बनो।





"वृत्ति की चंचलता रजिस्टर को दागी बना देती है"

ब्रह्मचारी जीवन अर्थात् ब्रह्मा समान पवित्र जीवन। जिसको ब्रह्मचारी कहो या ब्रह्माचारी कहो - आदि से अन्त तक अखण्ड रहे हैं। अगर बार-बार खण्डित रहे हैं, तो बाल ब्रह्मचारी वा सदा ब्रह्माचारी नहीं कहला सकते। किसी भी प्रकार की पवित्रता अर्थात् स्वच्छता खण्डन हुई है तो परम पूज्यनीय नहीं बन सकते हैं। बाप समान न होने कारण समीप सम्बन्ध में नहीं आ सकते। इसलिए श्रेष्ठता का आधार, समीपता का आधार बाल ब्रह्मचारी अर्थात् सदा ब्रह्माचारी, जिसको ही फालो फादर भी कहते हैं। तो अपने को चैक करो - अखण्ड हैं! अखण्ड रहने वाले को सर्व प्राप्तियाँ भी अखण्ड अनुभव होती हैं। खण्डित पुरुषार्थी को प्राप्तियाँ भी अल्पकाल अनुभव होती हैं। अपना रजिस्टर चैक करो सदा साफ रहा है ? किसी भी प्रकार के दाग से रजिस्टर को खराब तो नहीं किया। सदा ब्रह्मचारी अर्थात् संकल्प में भी किसी प्रकार की अपवित्रता वृत्ति को चंचल नहीं बनाये। पहली हार वृत्ति की चंचलता, फिर दृष्टि और कृति की चंचलता होती है। वृत्ति की चंचलता रजिस्टर को दागी बना देती है - इसलिए वृत्ति से भी सदा ब्रह्मचारी।

तुम जानते हो मुझ आत्मा को बाप को याद करने का फरमान मिला हुआ है।
उस पर चलने वाले को ही फरमानवरदार कहा जाता है।



SHANKHADIPWARI

SpARC

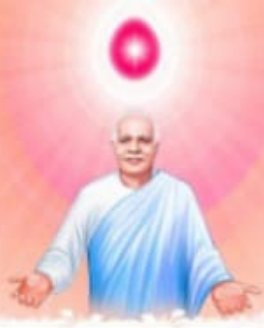


*Your Mind is your child,
It is your responsibility to be a
good parent to it.*



BRAHMA KUMARIS

facebook.com/brahmakumaris | youtube.com/brahmakumaris



अव्यक्त शिक्षाएँ

रूहानी सेवाधारी का कर्तव्य है - लाइट हाउस बन सबको लाइट देना। सदा अपने को लाइट हाउस समझते हो? लाइट हाउस अर्थात् ज्योति का घर। इतनी अथाह ज्योति अर्थात् लाइट जो विश्व को लाइट हाउस बन सदा लाइट देते रहें। तो लाइटहाउस में सदा लाइट रहती ही है तब वह लाइट दे सकते हैं। अगर लाइट हाउस खुद लाइट के बिना हो तो औरों को कैसे दें? हाउस में सब साधन इकट्ठे होते हैं। तो यहाँ भी लाइट हाउस अर्थात् सदा लाइट जमा हो, लाइट हाउस बनकर लाइट देना यह ब्राह्मणों का आक्यूपेशन है। सच्चे रूहानी सेवाधारी महादानी अर्थात् लाइट हाउस होंगे। दाता के बच्चे दाता होंगे। सिर्फ लेने वाले नहीं लेकिन देना भी है। जितना देंगे उतना स्वतः बढ़ता जायेगा। बढ़ाने का साधन है 'देना'।



उस समय हर काम आसान हो
जाता है जब मुश्किलें आने पर
मेरा बाबा कहते है कि तू चिंता
मत कर मैं तेरे साथ हूँ सब ठीक
हो जाएगा ... ✨

मेरे बाबा कहते है कि अगर
तुम्हारे जीवन में दुख और
परेशानियां है तो डरना
मत, तुम मेरे दिखाएँ रास्ते पर
हो , मैं स्वयं तुम्हारी सहायता
करूंगा , बस अपने बाबा पर
भरोसा बनाये रखना

शुक्रिया प्यारे शिव बाबा



Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR
www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website:
www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net
and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW

www.IshvariyaKhajana.BKhq.org